प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 12 जनवरी, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन में युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्श और विचार सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी हैं।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के मूर्ति गार्डेन, राज भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया।

---

(3) माननीय राज्यपाल महोदय अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित 'पूर्व सैनिक महासम्मेलन' में सम्मिलित हुए।

हमारे देश के पूर्व सैनिक आज भी समाज के प्रेरणास्रोत और गौरव हैं: राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज गुरुनानक स्कूल सभागार, राँची में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित 'पूर्व सैनिक महासम्मेलन' में कहा कि वे राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना के प्रतीक हैं और उनका योगदान समाज एवं राष्ट्र के लिए अनुकरणीय है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमारे देश के पूर्व सैनिक सीमाओं की रक्षा के प्रहरी रहे हैं और आज भी वे समाज के प्रेरणास्रोत और गौरव हैं। उनका अनुशासन, साहस और समर्पण हमारे लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद को बधाई दी कि इसने इन वीर योद्धाओं को समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए संगठित किया है। उन्होंने कहा कि सैनिकों का योगदान केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध जैसी ऐतिहासिक घटनाओं के साथ-साथ प्राकृतिक आपदाओं में सहायता और दूरदराज़ क्षेत्रों

में सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका अद्‌वितीय है। उनकी सेवाएँ हर क्षेत्र में प्रेरणा और शक्ति का प्रतीक हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्‌वारा "वन रैंक, वन पेंशन" जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के कार्यान्वयन न केवल पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करती है, बल्कि सरकार की प्रतिबद्‌धता और संवेदनशीलता को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के अनुशासन और नेतृत्व कौशल शिक्षा, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में कार्य समाज को समृद्‌ध कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने पूर्व सैनिकों के बच्चों की शिक्षा, परिवार की सुरक्षा और रोजगार के सम्मानजनक अवसर सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता की बात कही।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व सैनिक केवल अतीत के रक्षक नहीं हैं, वे हमारे वर्तमान और भविष्य के निर्माता भी हैं। उनके सम्मान और गरिमा की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है, जो राष्ट्र के प्रति सच्ची सेवा का प्रमाण है। उन्होंने झारखंड में संगठन की प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि जमशेदपुर से शुरू हुई यह यात्रा राज्य के 11 जिलों में विस्तारित हो चुकी है। यह

संगठन न केवल पूर्व सैनिकों के अधिकारों की रक्षा कर रहा है, बल्कि समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान दे रहा है।

सैनिकों की वीरता के पीछे उनके परिवारों के अद्‌वितीय समर्थन की सराहना करते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनके त्याग और धैर्य से पूरा समाज प्रेरणा लेता है। सैनिक परिवार कल्याण न्यास, जिसने शहीदों के परिवारों और आश्रितों की देखभाल का दायित्व उठाया है, सराहनीय है। राज्यपाल महोदय ने पूर्व सैनिकों और उनके परिवार के सदस्यों से कहा कि उनका संघर्ष और समर्पण व्यर्थ नहीं जाएगा। पूरा देश उनके साथ खड़ा है और उनके उत्थान हेतु वे सदैव तत्पर रहेंगे।

(4) माननीय राज्यपाल महोदय स्वयंसेवी संस्था विकास भारती बिशुनपुर द्वारा आरोग्य भवन, बरियातू, राँची में आयोजित 'कला एवं सांस्कृतिक महोत्सव' में सम्मिलित हुए।

स्वामी विवेकानंद जी का जीवन भारत माता के गौरव और सम्मान का प्रतीक : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर स्वयंसेवी संस्था विकास भारती बिशुनपुर द्वारा बरियातू, राँची में आयोजित 'कला एवं सांस्कृतिक महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को पूरे देश में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन और विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन भारत माता के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। उनका व्यक्तित्व और उनके विचार आज भी हमारे समाज को प्रेरित करते हैं और हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं।

राज्यपाल महोदय ने सन् 1893 में शिकागो में हुए विश्व धार्मिक महासभा में स्वामी विवेकानंद जी द्वारा दिए

गए ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख किया, जिसने पूरी दुनिया को भारत की महान संस्कृति और मानवता के संदेश से अवगत कराया।

राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी के उद्धरण 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' काउल्लेख करते हुए कहा कि यह संदेश युवा शक्ति को प्रोत्साहित करता है।

राज्यपाल महोदय ने विकास भारती बिशुनपुर के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पद्मश्री श्री अशोक भगत जी के नेतृत्व में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रयासरत है और अपने कार्यों से समाज में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने विकास भारती के सदस्यों को निःस्वार्थ सेवा के मार्ग पर चलते हुए लोक-कल्याण की दिशा में और भी सक्रियता से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'स्टार्टअप इंडिया,' 'स्किल इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना तभी पूरा होगा जब

हमारे युवा अपनी पूरी ऊर्जा और रचनात्मकता से देश के विकास में योगदान देंगे।

राज्यपाल महोदय ने सभी से आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को आत्मसात करें और विकसित भारत में अपना योगदान दें।

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने संस्था द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों और प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

(5) माननीय राज्यपाल महोदय राष्ट्रीय युवा विकास संघ, झारखंड प्रदेश द्वारा चारी हुजीर स्कूल मैदान, कांके, रांची में आयोजित 'भव्य युवा महोत्सव' को संबोधित किया।

स्वामी विवेकानंद जी का जीवन आत्म-विश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम का प्रतीक है : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय युवा विकास संघ, झारखंड प्रदेश द्वारा चारी हुजीर स्कूल मैदान, कांके, रांची में आयोजित 'भव्य युवा महोत्सव' को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को युवाओं के लिए प्रेरणा का अटूट स्रोत बताया और कहा कि उनका जीवन आत्म-विश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी के उद्धरण "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" का उल्लेख करते हुए युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा दी। उन्होंने झारखंड के युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने साहस, परिश्रम और प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में राज्य और देश का मान बढ़ा रहे हैं।

राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल महोदय ने इस 'भव्य युवा महोत्सव' के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि यह महोत्सव राज्य के युवाओं के जीवन में नई प्रेरणा और ऊर्जा का संचार करेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

(6) माननीय राज्यपाल महोदय ने रामकृष्ण मिशन आश्रम, राँची द्वारा आयोजित 54वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया।

स्वामी विवेकानंद जी का जीवन एवं विचार न केवल भारत, बल्कि समस्त विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने युगपुरुष स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर आज रामकृष्ण मिशन आश्रम, राँची द्वारा आयोजित 54वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन और विचार न केवल भारत, बल्कि समस्त विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

राज्यपाल महोदय ने रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा स्कूली विद्यार्थियों एवं कॉलेज छात्रों के लिए आयोजित क्विज, निबंध आदि प्रतियोगिताओं की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्श "मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है" का उल्लेख करते हुए मिशन के शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण के कार्यों की सराहना की।

स्वामी विवेकानंद जी के उद्धरण "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए" का उल्लेख करते हुए, राज्यपाल महोदय ने युवाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और आत्म-निर्धारित बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वामी जी महिला सशक्तिकरण के प्रबल पक्षधर थे, उन्होंने समाज के उत्थान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में संचालित 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'स्किल इंडिया' जैसे पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये युवाओं को सशक्त और प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को शिक्षा के माध्यम से प्रसारित करने का आह्वान किया, ताकि युवा समाज के प्रति जिम्मेदार और समर्पित नागरिक बन सकें।

राज्यपाल महोदय ने समारोह में विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और रामकृष्ण मिशन को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ बधाई दी।